अरे जोगमाया,
ईती कई देर लगाई,
आध्य भवानी ए जगदम्बा,
भक्ता री रखवाली,
अरे जोग माया कुल री कुलदेवी माय।।

गाव नागाणा माय,
आप विराजो माँ,
कुल री कुलदेवी माय,
ये भाकर खुलके आप विराजो,
कुल री कुलदेवी माय,
थारा टाबरिया ने दर्शन देवो
थेतो नागणेशी माय,
ईती कई देर लगाई।।

जद जद पाप बड़े भूमि पर,
आप आवो नागणेशी माय,
आप आया सब कारज सरसी,
जग री रखवाली माता,
ओ जोग माया,
ईती कई देर लगाई।।

छोटा मोटा करे रे वीनती,
आवे नागणेशी माय,

थारा सेवक थाने बुलावे,
आवो आंगणा माय,
आवो भवानी ये जगदम्बा,
थारी महिमा गाई हो जोगमाया,
ईती कई देर लगाई।।

मेलो थारो लागे नवरात्री में,
गरबे रमवा आई है माँ,
लाल चुनडिया वाली भवानी,
गरबे रमवा आई माँ,
सब बेन संग रमती रमती ,
भक्ता रे आँगन आई जोगमाया,
ईती कई देर लगाई।।

सेवक थारा करे रे सेवना,
सुनो नागणेशी माय,
संजय जीगर माँ आवे रे देवरे,
सुनो थी नागणेशी माय,
हिमताराम ने शरणा में राखो,
जग में ज्योत सवाई ओ नागणेची,
ईती कई देर लगाई।।

अरे जोगमाया,
ईती कई देर लगाई,
आध्य भवानी ए जगदम्बा,
भक्ता री रखवाली,
अरे जोग माया कुल री कुलदेवी माय।।

"श्रवण सिंह राजपुरोहित द्वारा प्रेषित"
सम्पर्क : +91 9096558244

Source:
https://www.bharattemples.com/jogamaya-itti-kai-der-lagai-rajasthani-bhajan/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw